हरिभूमि
सोनीपत भूमि
रोहतक, सोमवार, मार्च 3, 2025

तापमान
अधिकतम 26 .6 डिग्री
न्यूनतम 9 .7 डिग्री

11 शांतिपूर्ण चुनाव कराने में पुलिस की भूमिका अहम

12 फल एवं सब्जी मंडी का केंद्रीय मंत्री ने किया निरीक्षण

खबर संक्षेप

स्कूल से बैटरी सहित अन्य सामान चोरी

सोनीपत। मोहाना थाना क्षेत्र के गांव बोहला में स्थित राजकीय प्राथमिक पाठशाला से बैटरी सहित अन्य सामान के चोरी होने का मामला सामने आया है। स्कूल के इंचार्ज ने मामले को लेकर पुलिस को शिकायत दी। पुलिस ने इस संबंध में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। स्कूल इंचार्ज मनजीत सिंह ने बताया कि वह 28 फरवरी को स्कूल में पहुंचे तो स्कूल के अंदर सामान चोरी मिला। सामान की जाच की तो चोर एजुसेट कक्ष से दो बैटरी, यूपीएस, कड़ाही, दो चूल्हे, रेगूलेटर व दो इनवर्टर चोरी कर ले गए थे।

दुकान से घर लौट रहे युवक से रुपये छीने

सोनीपत। शहर थाना क्षेत्र में दुकान से काम करके घर लौट रहे युवक से हजारों रुपये की राशि व आधार कार्ड के छीनने के आरोप का मामला सामने आया है। छतरपुर मध्य प्रदेश हाल में ककरोई रोड निवासी सुरेंद्र ने बताया कि वह सेक्टर-23 में स्थित दुकान पर काम सीखने के लिए जाता है। वहीं उसके सामने टिक्की की रेहड़ी लगाता है। गत एक मार्च की रात को करीब 11 बजे वह रात को बर्तन धोने के बाद पैदल अपने घर पर जा रहा था। वह कपड़े खरीदने के लिए नौ हजार रुपये अपनी मां से लेकर आया था। वहीं दस हजार रुपये की राशि अपने मालिक से लेकर आया था। साथ ही पांच हजार रुपये की राशि दुकान व रेहड़ी की कमाई थी। उसे रास्ते में मोटर साइकिल सवार तीन लड़कों ने रोक लिया। उसके बाद उसकी जेब से 24 हजार रुपये की राशि व आधार कार्ड को निकाल लिया।

खेड़ी तगा गांव में व्यक्ति के साथ मारपीट

गन्नौर। खेड़ी तगा गांव में एक व्यक्ति के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। मारपीट के दौरान व्यक्ति का मोबाइल फोन व पैसे भी गायब हो गए। पीड़ति ने मामले की शिकायत थाना बड़ी में दी। शिकायत में खेड़ी तगा निवासी प्रताप ने बताया कि 15 फरवरी की दोपहर वह अपने घर जा रहा था। इस दौरान गांव के संदीप ने जानबूझकर उसकी स्कूटी पर टक्कर मार दी। इसके बाद संदीप ने उसके साथ मारपीट की। उसके परिवार के अन्य सदस्य भी आ गए और उन्होंने भी मारपीट की।

नगर निगम मेयर उपचुनाव और खरखौदा नगर पालिका में शातिपूर्ण चुनाव

वोटिंग करने में खास रुचि नहीं, कुल 31% मतदान, 51 प्रत्याशियों का भाग्य ईवीएम कैद

- मेयर उपचुनाव के लिये 268 तो खरखौदा नपा चुनावों के लिये 23 मतदान केंद्र बनाए
- खरखौदा नगर पालिका चुनावों में 62 .3 प्रतिशत रहा मतदान प्रतिशत
- कुल 3 लाख 14 हजार 511 मतदाता हैं सोनीपत नगर निगम और खरखौदा नगर पालिका चुनावों में

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

नगर निगम मेयर के उपचुनाव और खरखौदा नगर पालिका के चुनाव रविवार को शांतिपूर्वक तरीके से संपन्न हुए। हालांकि मतदान प्रतिशत काफी चिंता का विषय है, विशेषतौर पर नगर निगम मेयर उपचुनाव के लिये। जिले का मतदान प्रतिशत 31 रहा। जिसमें खरखौदा ने फिर भी लाज राख ली, लेकिन सोनीपत नगर निगम क्षेत्र के मतदाताओं के बीच मतदान के लिये उत्साह नहीं दिखाई दिया। इसी वजह से मेयर उपचुनाव के लिये मतदान प्रतिशत केवल 28.8 दर्ज किया गया। बता दें कि मेयर उपचुनाव के लिये सोनीपत में पांच उम्मीदवार मैदान में थे, जबकि खरखौदा में चेयरमैन पद के लिये चार उम्मीदवार मैदान में थे। खरखौदा नगर पालिका में 15 पार्षद पदों के लिये 42 लोगों ने चुनाव लड़ा। अब इन 51 प्रत्याशियों की किस्मत ईवीएम में कैद हो गई है। जिसका फैसला 12 मार्च को होगा। देर शाम सभी पोलिंग पार्टियां ईवीएम मशीनों को साथ लेकर मोहाना स्थित बिट्स कॉलेज पहुंच गई थी। ईवीएम मशीनों को कॉलेज में बनाए गए स्ट्रांग रूम में सुरक्षित रखा जाएगा। बता दें कि सोनीपत नगर निगम और खरखौदा नगर पालिका क्षेत्र में रविवार को चुनाव हुआ। सोनीपत में मेयर पद के लिये उपचुनाव था, वहीं खरखौदा में 15 वार्डों के पार्षद और चेयरमैन पद के लिये चुनाव हुआ। सुबह 8 बजे सभी मतदान केंद्रों पर चुनाव शुरू कर दिया गया था। देर शाम 6 बजे तक जितने भी मतदाता केंद्रों पर पहुंचें, उनका मतदान करवाया गया। लेकिन पूरा दिन में एक भी ऐसा मौका नहीं आया, जब मतदान केंद्रों पर भीड़ लगी हो। सिर्फ दो चार मतदान केंद्रों पर शाम के समय मतदाताओं की लाइनें देखने को मिली।

केवल 84 हजार 923 ने डाला वोट

सोनीपत नगर निगम मेयर उपचुनाव को लेकर निगम क्षेत्र में 268 मतदान केंद्र बनाए गए थे। वहीं खरखौदा में मतदान केंद्रों की संख्या 23 थी। मतदाताओं की कुल संख्या 3 लाख 14 हजार 511 थी। जिसमें से 2 लाख 94 हजार 362 मतदाता सोनीपत नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत तो 20 हजार 149 मतदाता खरखौदा नगर पालिका क्षेत्र के अंतर्गत थे। सोनीपत के कुल मतदाताओं में से केवल 84 हजार 923 मतदाताओं ने ही अपने मत का प्रयोग किया। वहीं खरखौदा के कुल मतदाताओं में से 12 हजार 543 मतदाताओं ने अपनी आहुति दी।

जनता ने सुनाया फैसला, परिणाम 12 को

सोनीपत नगर निगम मेयर उपचुनाव के लिये राजनीतिक दलों से कांग्रेस के कमल दिवान, भाजपा के राजीव जैन, बसपा के धर्मवीर, आप से डॉ. कमलेश कुमार सैनी मैदान में हैं, जबकि आजाद उम्मीदवार के तौर पर रमेश खत्री ताल ठोंक रहे हैं। वहीं खरखौदा नगर पालिका चुनावों में चेयरमैन पद के लिये भाजपा से हीरालाल, निर्दलीय मैक्सिन ठेकेदार, किरण धर्मपत्नी रिंकेश, ममता मेहरा चुनावी मैदान में हैं। खरखौदा नगर पालिका चुनावों में चेयरमैन पद के लिये चार उम्मीदवार तो 15 पार्षद पदों लिये 42 उम्मीदवार मैदान में हैं।

12 बजे तक 10 प्रतिशत था मतदान

जिले का मतदान प्रतिशत सोनीपत नगर निगम क्षेत्र के कम मतदान प्रतिशत की वजह से काफी कम हो गया था। सोनीपत जिले का मतदान प्रतिशत 31 दर्ज किया गया है। इसमें से सोनीपत का मतदान प्रतिशत केवल 28.8 ही पहुंच पाया, जबकि खरखौदा का मतदान प्रतिशत 62.3 हुआ। हालांकि कुल मतदान प्रतिशत में अभी कुछ बदलाव संभव हैं। सोनीपत में मतदान को लेकर लोगों में उत्सुकता नहीं थी, इसी वजह से दोपहर 12 बजे तक मतदान के चार घंटे बीत जाने के बावजूद मतदान प्रतिशत 10 तक भी नहीं पहुंचा पाया था।

सोनीपत में दो तो खरखौदा में एक जगह फर्जी मतदान का आरोप

सोनीपत। जिले में रविवार को सोनीपत मेयर के उपचुनाव और खरखौदा नगर पालिका के लिये चुनाव हुए। चुनाव वैसे तो शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुए, लेकिन कुल तीन जगहों पर फर्जी मतदान के आरोप लगे। इसमें दो जगह तो सोनीपत नगर निगम क्षेत्र में थी, वहीं 1 जगह खरखौदा में रही। सोनीपत के मुरथल अड्डा स्थित बूथ नंबर 57 राजकीय कन्या विद्यालय, गीता भवन स्थित बूथ नंबर 98 जीवीएम स्कूल व खरखौदा की प्राथमिक पाठशाला में मतदान करने पहुंचे लोगों को पहले ही उनके वोट डालने का पता लगा। यह मतदाता मतदान करने से वंचित रह गए। जटवाड़ा के जाटी तला निवासी धर्मपाल ने बताया कि उन्होंने अक्तूबर माह में हुए विधानसभा चुनाव में जटवाड़ा में बनाए गए मतदान केंद्र पर अपना वोट डाला था। जब वह मेयर उपचुनाव के लिए जटवाड़ा में मतदान करने पहुंचे तो उन्हें मुरथल अड्डा स्थित बूथ नंबर 57 राजकीय कन्या विद्यालय में मतदान करने की बात कही गई। जब वह राजकीय कन्या विद्यालय में मतदान करने पहुंचे तो उन्हें बताया गया कि आपका वोट पहले डाला जा चुका है। धर्मपाल का आरोप है कि उन्होंने मतदान नहीं किया है, उनकी जगह किसी और ने उनका वोट डाला है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों व कर्मचारियों के खिलाफ भी कार्रवाई की मांग की।

कोई हमारा वोट डाला गया

वहीं ऋषि नगर निवासी आयशा ने बताया कि वह मतदान करने के लिए गीता भवन स्थित बूथ नंबर 98 जीवीएम स्कूल में पहुंचीं तो पता चला कि उनकी जगह पहले ही कोई मतदान कर जा चुका है। आयशा ने मामले की सूचना संबंधित अधिकारियों को दी। थोड़ी देर के बाद आयशा वापस लौट गई। खरखौदा में वार्ड-5 निवासी जयबीर सिंह जब प्राथमिक पाठशाला में मतदान करने पहुंचे तो अधिकारियों ने कहा कि आपका वोट पहले ही डाला जा चुका है। इस पर जसबीर सिंह ने कर्मचारियों की कार्यप्रणाली पर रोष जताया। मतदान से वंचित रहे जसबीर ने उच्चाधिकारियों से संबंधित कर्मचारियों के खिलाफ कार्यवाही की मांग की।

पहले किया मतदान का बहिष्कार मनाने के बाद किया वोटिंग

सोनीपत। रविवार को हुए नगर निगम मेयर उपचुनाव में राजेंद्र नगर के निवासियों ने मतदान का बहिष्कार किया। स्वच्छ पेयजल की मांग को लेकर काफी समय से परेशान राजेंद्र नगर के लोगों ने मतदान ना करने का फैसला लिया। हालांकि दोपहर तक जब इस बारे में प्रत्याशियों को पता चला तो उन्होंने लोगों से संपर्क कर समस्या के समाधान का आश्वासन दिया। जिसके बाद कॉलोनी के लोगों ने मतदान किया। कॉलोनी में करीब 2500 मतदाता है। क्षेत्रवासी सुनील ने बताया कि कॉलोनी में दूषित पानी की आपूर्ति हो रही है। यह पानी पीना तो दूर, किसी भी घरेलू काम में इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। पानी के कारण लोगों को बीमारियों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय महिलाओं का कहना है कि दूषित पानी से नहाने पर शरीर पर एलर्जी हो जाती है और कपड़े धोने पर उनमें बदबू आ जाती है। जिसकी वजह से लोगों को साफ पानी नहीं मिल रहा है। उन्होंने बताया कि पानी की लाइन कई जगह से क्षतिग्रस्त होने के कारण सीवर का पानी भी मिक्स हो रहा है। जिसकी वजह से पानी दूषित होने के कारण बदबू आ रही है। अधिकारियों को शिकायत करने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हो पाया है। दूषित पानी की वजह से घरेलू कार्य निपटाने में परेशानी हो रही है।

दूषित पानी, सीवर ओवरफ्लो

कॉलोनीवासी चंद्रो देवी ने बताया कि राजेंद्र नगर में न सिर्फ दूषित पानी की समस्या है, बल्कि सीवर ओवरफ्लो रहते हैं। कई बार शिकायत करने के बावजूद प्रशासन कोई ठोस कदम नहीं उठा रहा। 15 साल से कोई उनकी सुध लेने वाला नहीं है। जब तक समस्या हल नहीं होती, तब तक वोट नहीं डालेंगे। स्थानीय निवासी मुकेश का कहना है क्षेत्र के लोगों को सिर्फ चुनाव के वक्त याद किया जाता है। उनका आरोप है कि क्षेत्र में सीवर व्यवस्था खराब होने के कारण पानी घरों की नींव में जा रहा है। उनकी मांग है कि जल्द ही उनकी समस्या को दूर किया जाए। कोई भी नेता कॉलोनी की समस्या पर ध्यान नहीं दे रहा। यहां के लोग काफी परेशान हैं।

चुनाव से पहले कर रहे थे 50 हजार मतों से जीत का दावा

कम वोटिंग से प्रत्याशियों के समीकरणों को लगा तगड़ा झटका

सोनीपत। नगर निगम के मेयर उपचुनाव में मतदाताओं की उदासीनता ने शासन से लेकर प्रशासन तक सबको हैरान कर दिया है। प्रत्याशियों से लेकर उनके समर्थक तक हैरान हैं। क्योंकि महज 28 प्रतिशत मतदान की वजह से हार-जीत का अंतर भी काफी कम रहेगा। वैसे भी मुख्य मुकाबला भाजपा और कांग्रेस प्रत्याशियों के बीच में था। ऐसे में यह भी संभव है कि इन दोनों को छोड़कर अन्य की जमानत भी जब्त हो जाए। बेहद कम मतदान प्रतिशत की वजह से प्रत्याशियों के समीकरणों को भी तगड़ा झटका लगा है। भाजपा प्रत्याशी राजीव जैन हो या फिर कांग्रेस प्रत्याशी कमल दिवान दोनों के समर्थक मतदान से पहले अपनी जीत के दावे कर रहे थे और दोनों ही 50 हजार मतों से जीत का दावा कर रहे थे, लेकिन कुल मतदान केंद्रों पर पहुंचें मतदाताओं की संख्या ही 84 हजार तक पहुंच पाई है। ऐसे में 50 हजार मतों से जीत का तो सवाल ही नहीं उठता। बता दें कि नगर निगम बनने के बाद सोनीपत नगर निगम का पहला चुनाव 27 दिसंबर 2020 को हुआ था। जिसमें 2 लाख 48 हजार 99 मतदाताओं में से एक लाख 43 हजार 187 मतदाताओं ने अपने मत का प्रयोग किया। मतदान का कुल प्रतिशत 57.7 रहा था।

निखिल ने 13 हजार से जीता था चुनाव

2020 के निगम चुनावों में कांग्रेस के निखिल मदान ने भाजपा के ललित बतरा को 13 हजार 817 मतों से हराया था। निखिल मदान को कुल 72 हजार 118 वोट मिले थे जबकि भाजपा के ललित बतरा को 58 हजार 301 वोट मिले। उन चुनावों में मेयर पद के 10 प्रत्याशियों में कांग्रेस व भाजपा को छोडकर कोई भी प्रत्याशी अपनी जमानत नहीं बचा पाया था। रहे बसपा के धर्मबीर सरोहा को 4375 वोटों के साथ तीसरे तो निर्दलीय प्रत्याशी संदीप राणा 3004 वोटों के साथ चौथे स्थान पर रहे थे। चुनावों में 20 वार्डों में से 10 वार्ड में भाजपा की जीत हुई थी, जबकि 9 वार्ड में कांग्रेस प्रत्याशी जीते थे। 1 वार्ड से निर्दलीय ने जीत दर्ज की थी, जोकि बाद में भाजपा में चले गए थे।

बूथों से लाइव

बहुत से बूथ ऐसे नजर आए जहां मतदान का आकड़ा 100 के पार भी नहीं हुआ

मतदाताओं का इंतजार करते रहे कर्मचारी, सुनसान नजर आए मतदान केंद्र, लगभग हर केंद्र पर वोटिंग सामान्य से नीचे

सोनीपत। मेयर उपचुनाव को लेकर जनता में कम ही उत्साह देखने को मिला। सुबह आठ बजे से मतदान करने के लिए सभी केंद्रों पर तैयारियों को पूरा कर लिया गया था, लेकिन दस बजे से एक भी ऐसा बूथ नहीं देखने को मिला जहां पर मतदान का एक सौ का आकड़ा पूरा हुआ हो, दोपहर बाद मतदाताओं को नेताओं ने अपील करके व खुद फोन कॉल करके वोट के लिए बुलाया। पार्षदों ने घर-घर जाकर लोगों को वोट डालने की अपील की। सुबह हरिभूमि टीम ने मतदान केंद्रों को दौरान किया। जहां उनके बाहर से लेकर अंदर तक वोटर की कमी देखने को मिली।

आदर्श बूथ : हलचल ही नहीं दिखाई दी

सुबह 8 बजकर 30 मिनट पर हिंदू स्कूल कोर्ट रोड स्कूल के अंदर आदर्श बूथ तैयार किया गया था। जहां जिला उपायुक्त मनोज कुमार ने भी अपना मतदान किया, लेकिन सुबह कोई हलचल दिखाई नहीं दी। एक-दो मतदाता को छोड़ दे तो बाकि अन्य बूथों पर कोई मतदाता नजर नहीं आया। पुलिस बल व ड्यूटी पर तैनात कर्मचारी ही एक-दूसरे की तरफ देखते नजर आए। वहीं केंद्र के बाहर स्थित एक पार्टी के समर्थकों के सामने भीड़ दिखाई दी, लेकिन दूसरे पक्ष का को टेंट पर बैठा तक नजर नहीं आया।

गोहाना-नंदी चौक : खाली पड़ा रहा केंद्र

सुबह करीब नौ बजे टीम ने गोहाना-नंदी चौक रोड पर स्थित केंद्र पर पहुंची। जहां केंद्र के बाहर एक पार्टी के समर्थक टेंट में बैठकर मतदाताओं की मदद करते हुए पाए गए, लेकिन यहां भी दूसरे पक्ष की तरफ से लगाया टेंट खाली ही नजर आया। समर्थक जरूर टेंट के अंदर बैठे मिले, लेकिन मतदातों को इंतजार करते हुए पाएं गए। दस बजे के बाद केंद्र पर वोट डालने के लिए सिंगल नंबर में वोटर पहुंचे। जहां उन्होंने मतदान किया। यहां भी कोई खास उत्सयाह मतदातओं में नजर नही आया।

मुरथल अड्डा : तीन वोटर लाइन में थे

सुबह दस बजकर पैंतिस मिनट के करीब मुरथल अड्डा के पास धानकान बस्ती स्थित स्कूल में पहुंचे। स्कूल के अंदर बनाएं बूथों पर टीम पहुंची। जहां एक एक भी मतदाता नहीं मिला। जानकारी मिली की सुबह से अब तक महत 25 के करीब वोट डाली गई है। उसके बाद टीम सिक्का कॉलोनी स्थित निजी स्कूल में स्थापित बूथों पर पहुंचे। जहां बूथ पर तैनात कर्मचारी अपने-अपने कार्य करते हुए पाएं गए। एक बूथ पर तीन वोटर लाइन में लगे नजर आए।

गीता भवन चौक :

दस बजकर पांच मिनट पर टीम गीता भवन चौक स्थित स्कूल में स्थापित बूथों पर पहुंची। जहां पर वोटर की संख्या ना के बराबर ही मिली। केंद्र पर पुलिस बल तैनात मिला। जिसे सुरक्षा के लिए तैनात किया गया था।

तीस टन सामान चोरी करने का आरोप

- औद्योगिक क्षेत्र स्थित फैक्टरी के कर्मी पर ट्रांसपोर्ट कंपनी के चालक पर केस, पुलिस जांच में जुटी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

राई थाना क्षेत्र के औद्योगिक क्षेत्र स्थित फैक्टरी के कर्मी पर ट्रांसपोर्ट कंपनी के चालक संग मिलकर 30 टन माल चोरी करने का आरोप लगा है। कंपनी के एचआर ने मामले की शिकायत पुलिस को दी है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। गुरुग्राम के सेक्टर-10ए निवासी अमिताभ मोदगिल ने बताया कि वह राई औद्योगिक क्षेत्र स्थित फैक्टरी में एचआर के तौर पर कार्यरत है। फैक्टरी में एल्युमीनियम डाई कास्टिंग का काम होता है। कंपनी में बिहार के जिला रोहतास के गांव दही गणा नपौली का संजय कार्यरत है। वहीं यूपी के जिला फिरोजाबाद के गांव नंगला सिंगा का शेर सिंह कंपनी से गाड़ी में मॉल लेकर जाता है। वह लवकुश ट्रांसपोर्ट कंपनी के माध्यम से उनसे जुड़ा है। अमिताभ ने बताया कि फैक्टरी की तरफ से एलुमिनियम पार्टस खरीदने और बेचने का काम होता है। छह-सात माह से कागजात में माल कम हो रहा था। जिससे हम स्क्रैप खरीदते हैं उसके मॉल में 27 फरवरी को हमारी फैक्टरी के दो पिस्टन पार्ट मिले। जिस पर शक बढ़ गया। उन्होंने की तो देखा कि 20 फरवरी को संजय ने फैक्टरी के अंदर रखे पार्ट को शेर सिंह के साथ मिलीभगत कर गाड़ी में लोड कर बाहर भेज दिया। जांच में पता लगा कि अब तक करीब 30 टन माल गायब हो चुका है।

कैंटर की टक्कर से व्यक्ति की जान गई

सोनीपत। राई थाना क्षेत्र के लिवान रोड पर तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला। तेज रफ्तार कैंटर व्यक्ति को चपेट में लिया। घायल को दिल्ली के अस्पताल में लेकर जाया गया। जहां उसकी उपचार के दौरान मौत हो गई। दिल्ली के रहने वाले गंगाराम एचएसआइडीसी में लहराड़ा के रहने वाले प्रवीन की दुकान पर काम करता था। वह राई-लिवान रोड पर प्रवीन की दूसरी दुकान पर साथी सूरज के साथ सामान लेने के लिए जा रहा था। इसी दौरान कैंटर ने उनको सीधी टक्कर मार दी। सूरज ने जाकर प्रवीन को सूचना दी। प्रवीन मौके पर पहुंचकर गंगाराम को अस्पताल पहुंचाया। जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया।

सफलता मन की शांति है, जो यह जानने में आत्म संतुष्टि का प्रत्यक्ष परिणाम है कि आपने सर्वश्रेष्ठ बनने का प्रयास किया, जिसके लिए आप सक्षम हैं।

- जॉन वुडन

आंगन में अंधेरा पसर आया तो रमा ने बिजली जला दी। सलौनी और उसके बच्चे गली से घर के आंगन में पहुंच चुके थे। पशुओं का काम निपटा उसने चार मोटी-मोटी रोटियां बनायी और दूध में डुबोकर उनके टुकड़े कर सलौनी और उसके बच्चों के आगे सरका दी। बच्चे रोटी खाने में व्यस्त हो गये, मगर सलौनी ने रोटियों को मुंह तक नहीं लगाया।

कहानी

आशा खत्री 'लता'

आज रात नहीं सोएगी सलौनी

पतिदेव बच्चों सहित भानजे की शादी में भात लेकर गये हैं। घर में रमा अकेली है। शाम से ही दो-तीन पड़ोसनें बारी-बारी से आकर रात में अकेले न सोने की ताकीद करती हुई खुद या किसी बालक को उसके पास सुलाने का आग्रह कर गयी हैं। मगर वह हरेक को यही उत्तर देती - "अकेली कहां, सलौनी और उसके बच्चे हैं ना।"उसके उत्तर पर पड़ोसनें मुस्कुराती नजरों से उसे देखती हुई उचटती सी निगाह सलौनी पर डालकर हंसती हुई चली जाती। उनकी हंसी में हास्य और व्यंग्य दोनों का पुट शामिल होता, लेकिन रमा जानकर भी अनजान बन अपने काम में लग जाती। 'लोगों की आदत है।' मन ही मन यही दोहराती हुई।

शाम ढल चुकी थी। आंगन में अंधेरा पसर आया तो रमा ने बिजली जला दी। सलौनी और उसके बच्चे गली से घर के आंगन में पहुंच चुके थे। पशुओं का काम निपटा उसने चार मोटी-मोटी रोटियां बनायी और दूध में डुबोकर उनके टुकड़े कर सलौनी और उसके बच्चों के आगे सरका दी। बच्चे रोटी खाने में व्यस्त हो गये, मगर सलौनी ने रोटियों को मुंह तक नहीं लगाया। वह चुपचाप बैठी रही। रमा ने उसे बार-बार कहा, इशारे किये मगर सलौनी टस से मस न हुई।

फिर रमा ने रोटी उसके बिल्कुल सामने सरकायी लेकिन सलौनी पर अब भी कोई असर नहीं हुआ। हां, इस बीच पिल्लूरे रोटी खाकर गली का चक्कर लगाने चले गये। लेकिन सलौनी वहीं गर्दन मोड़कर पेट में मुंह दिये पड़ी रही। 'मूक कह भी तो नहीं सकती कि रोटी क्यों नहीं खा रही, काश! इसके जुबान होती?' सोचती हुई रमा ने सुबह की रखी रोटी बोहिये से उठायी और थोड़ी सी मलाई उस पर रखकर खाने लगी। इतने में क्या देखती है कि सलौनी के शरीर में हरकत हुई और वह इत्मिनान से रोटी खाने लगी। रमा का जी भर आया, इतना प्यार, इतनी परवाह तो इन्सान भी इन्सान के प्रति न रखे। घर के काम से निपटी तो सलौनी और उसके बच्चे गली की घुमाई कर आ चुके थे। रमा ने बाहरी दरवाजे पर ताला लगाया, इसके बाद आंगन में 'फर्राटा' लगाकर अपनी चारपाई बिछाई तथा दूसरी सलौनी और उसके बच्चों के लिये लगा दी।

सलौनी जैसे इसी के इंतजार में थी। वह उचककर खाट पर जा चढ़ी, उसके बच्चों ने भी उसका अनुसरण किया। सारे के सारे कूं, कूं करते हुए आराम से चारपाई पर लेट गये। रमा भी अपनी चारपाई पर लेटकर आसमान को ताकने लगी। उसे दिन में मिलने आयी शुभचिन्तक पड़ोसनों की व्यंग्य भरी नजरें याद आई, उसका मन विचलित हो गया, अकेलापन सताने लगा। मगर अगले ही पल सलौनी के साथ ने उसे अकेलेपन के अहसास से उबार लिया। मन सलौनी के प्रति ममता से भर उठा। उसने करवट ली और हाथ बढ़ाकर सलौनी को सहलाने लगी। सलौनी ने भी पूंछ हिलाकर उसकी ममता को स्वीकार किया। रमा सोचने लगी पड़ोसनों का क्या दोष!

पिछले दिनों जब मां आयी थी तो उन्हें भी सलौनी का पूरे घर में इस तरह बेरोक-टोक घूमना, सटकर बैठना, खाट पर सोना नागवार गुजरा था। तभी तो वे कह उठी थी-

"गाँव में आकर तेरा रहन-सहन भी बिल्कुल बेसुरा हो गया है। कोई कुत्तों को भी ऐसे..."

"माँ" माँ के बात पूरी करने से पहले ही वह मुस्कुराते हुए बोल पड़ी थी।

"....तुझे नहीं पता इनकी अहमियत, इनका प्यार इनका निश्छल व्यवहार मनुष्यों से भी अधिक अपनत्व भाव। पेट भरने को तो ये कहीं भी भर लें, इन्होंने कौनसा हम मानुसों की तरह जोड़-जुगाड़ करना है। ये बेचारे तो बिन झोली के मंगते हैं, जो किसी का प्यार भी उधार नहीं रखते। जरा से स्नेह का जो सिला इनसे मिलता है उसको कह पाना भी मेरे जैसी के बस की बात नहीं। पता है पिछले दिनों क्या हुआ- दिन ढले की बात है 'वे' आंगन में बैठे खाना खा रहे थे और मैं रसोई में रोटी बना रही थी। तभी सलौनी उस कमरे की ओर देख-देख कर जोर-जोर से भौंकने लगी।" रमा ने भैंस के साथ वाले कमरे की ओर इशारा किया जिसका उपयोग वे स्टोर की भांति करते हैं। "मैंने इसे चुप होने को कहा, मगर यह चुप नहीं हुई। इसे लगातार भौंकते देख मैंने इन्हें कहा कि 'देखियो, सलौनी उधर भैंस के साथ वाले कमरे की तरफ देख-देख कर क्यूं एक सांस भौंके जा रही है।" ये चिन्तित हो बोले- "जरूर कोई कीड़ा-कांटा होगा, वरना ये इस तरह...." और इन्होंने रोटी बीच में ही छोड़कर लाठी उठाकर वहां रखा सामान टटोला तो पता है वहां क्या मिला...?"

"क्या... ?" माँ उसे हैरानी से ताकने लगी। "वहाँ रखे उसे गत्ते के बड़े डिब्बे में चार हाथ लम्बी नागिन बैठी थी। कोई भी दुर्घटना घट सकती थी माँ। जंगल के जीव जंगल में तो स्वछंद घूम सकते हैं। घर में तो बच्चे, हम दोनों, भैंस, गाय या कोई आया-गया, किसी के भी साथ...।" कहते-कहते रमा सिहर गयी थी।

"...इन्होंने सरगोशी की 'देख ये बैठी।' मैंने दौड़कर पास-पड़ोस से लोगों को बुलाया। तब कहीं जाकर उसका अन्त हुआ। सलौनी न होती तो हमें क्या पता चलता कि हमारे घर में हमारी मौत छुपी है।" कहते हुए रमा ने पास बैठी सलौनी का चेहरा प्यार से हाथों में लेकर अपने चेहरे से सटा लिया। जैसे बहुत प्यार आने पर माँ अपनी संतान के लाड लड़ाती है। सलौनी भी इस इत्मिनान से पूंछ हिला रही थी, जैसे बौराया बच्चा मां की गोद में पसरकर पैर हिलाता है।

"हमारी सलौनी के होते हिम्मत नहीं कि घर में परिंदा भी पर मार जाये। दूर गली में आ रहे अजनबी को देखते ही इसके कान खड़े हो जाते हैं।" रमा ने कहा तो मां ने भी सहमति में गर्दन हिलायी। अब उनका हाथ भी सलौनी के बदन को सहला रहा था। सलौनी रमा की गोद से हटकर मां के पांव में लौट गयी। जैसे मां को अभिवादन करते हुए उनका आशीर्वाद ग्रहण करना चाहती हो। सलौनी की इस हरकत से वे भी भावविभोर हो उठी। रमा को याद आया जब काका (ससुर) का देहान्त हुआ तो सलौनी शवयात्रा में इन्सानों की तरह ही शामिल हुई, शमशान तक साथ गयी। दाह संस्कार के बाद जब सब घर लौट आये ये वहीं रुकी रही और सांझ ढले तभी घर लौटी, जब चिता की अग्नि बिल्कुल राख में बदल चुकी थी। पूरा दिन ये बेचारी भी हम लोगों के साथ-साथ बिना अन्न जल ग्रहण किये रही, अन्यथा जानवर तो कहीं भी जाकर मुंह मार आये।

अभी पिछले महीने की तो बात है, भाई की बीमारी पर उसे एक सप्ताह के लिये पीहर रुकना पड़ा। वापस आयी तो सलौनी उसकी आहट पाकर गेट पर ही पहुंच गयी और उसके सामान रखने से पहले ही पिछले पैरों पर खड़ी होकर अगले दोनों पैर उसकी छाती पर रखकर ऐसे मिली जैसे बहुत दिनों से बिछुड़ी बेटी मां से गले मिलने को तड़प रही हो।

ऐसे अवसर पर उसे लगता है 'काश। सलौनी भी अपने दिल की बात कह पाती।' यह तो रोज का ही नियम है कि वह जब भी घर से बाहर जाती है सलौनी साथ जाती है। आसपास जाना हो तो ठीक है, खेतों में जाती है तो पीछे-पीछे चली आ रही सलौनी को कहना पड़ता है- "सलौनी, तू घर जा मैं खेत पर जा रही हूँ।" सुनते ही सलौनी आज्ञाकारी बच्चे की भांति घर लौट आती है।

रमा ने सलौनी की ओर करवट ली तो सलौनी ने झट से सिर उठाकर देखा। जाहिर है सलौनी जाग रही थी। रमा जानती है आज सलौनी रात भर सोयेगी नहीं।

वह हाथ बढ़ाकर सलौनी को दुलारने लगी तो सलौनी ने भी 'कूं, कूं' कर उसके स्नेह को अत्यन्त प्रेमभाव से स्वीकार किया।

'तुम्हारी वफादारी, चौकसी और प्यार का प्रतिदान हमसे कहां सम्भव है सलौनी?'

यही सोचते हुए रमा को नींद आ गयी। मगर सलौनी को आज की रात नींद कहां, वह बिल्कुल नहीं सोयेगी, मालिक और उसके युवा बेटों की अनुपस्थिति में उसकी मालकिन निश्चिन्त होकर सो सके, इसीलिए।

"हमारी सलौनी के होते हिम्मत नहीं कि घर में परिंदा भी पर मार जाये। दूर गली में आ रहे अजनबी को देखते ही इसके कान खड़े हो जाते हैं।" रमा ने कहा तो मां ने भी सहमति में गर्दन हिलायी। अब उनका हाथ भी सलौनी के बदन को सहला रहा था। सलौनी रमा की गोद से हटकर मां के पांव में लौट गयी। जैसे मां को अभिवादन करते हुए उनका आशीर्वाद ग्रहण करना चाहती हो।

लघुकथा

डा. रमाकांता

इंसाफ

रलदू, ओ रलदू, बाहर निकल। दरवाजे से किसी दबंग ने रलदू को ललकारा।

रलदू जान गया कि चौधरी ने जगह खाली करवाने के लिए अपना गुर्गा भेजा है। वह डरता-डरता बाहर आया और उस व्यक्ति को पहचान कर बोला- 'मालिक, बस दो दिन की मोहलत दे दो। कल मेरी बेटी की शादी है। रिश्तेदार परसों चले जाएंगे, मैं जगह खाली कर दूंगा।'

'कान खोल कर सुन ले, परसों फिर आऊंगा। जगह खाली ना मिली तो यहीं तेरे परिवार की कब्र खोद दूंगा समझ गया!' वह धमकी देकर तमतमाता हुआ वहां से चला गया।

दिन छिपते ही बस्ती में अजीब सा शोर सुनाई देने लगा। रलदू का बेटा रशीद घर से बाहर गया और थोड़ी ही देर में तेज़ कदमों से घर में आकर कुछ चिल्लाते हुए उसने अपने अब्बा को आवाज दी- 'अब्बू कहाँ हो? खेल खत्म अब्बू।'

अब्बू ने घबरा कर दबी जुबान से पूछा- 'क्या हुआ?'

'अब्बू मालिक खल्लास,' रशीद ने हाथ के इशारे से समझाया ।

'कैसे, और कब'? रलदू ने जिज्ञासावश पूछा।'

नामुराद को दिल का ऐसा दौरा पड़ा जमीन पर पड़ते ही चल बसा' -रशीद ने बताया।

रलदू की आंखों में आंसू आ गए। थोड़ी देर रुक कर बोला-'सुबह हमारी कब्र खुदवा रहा था। मालिक को क्या पता था कि रात होते-होते उस की ही कब्र के खोदने की तैयारी हो जाएगी।' कुछ सोच कर बोला 'बेटा उसके घर देर है पर अंधेर नहीं है।' रलदू ने ठंडी आह भरते हुए कहा ।

'अब्बू अल्लाह इंसाफ करता है। मालिक को गरीबों की बद्दुआ लगी है।' रशीद ने आकाश की ओर हाथ फैला कर कहा। बाप-बेटे के मुख पर संतोष का भाव झलक रहा था।

कविता

राजश्री

नफ़रतों की आग में

नफ़रतों की आग में ये बस्तियाँ जल जाएंगी।
फ़ूल, भौंरे, शाख़, पौधे, तितलियाँ जल जाएंगी।

मज़हबी ये आंधियाँ यूं ही अगर चलती रहीं,
दब गईं जो राख़ में चिंगारियाँ जल जाएंगी।

कुर्सी की खातिर लगा कर आग जो हैं सेकते,
उनके हाथों की भी तो सब उंगलियाँ जल जाएंगी।

जो मुहब्बत के दरीचे खुलते दिल के दरमियां,
आपसी उस प्यार की सब खिड़कियाँ जल जाएंगी।

क्यूं बढ़ाते नाम पर मज़हब के ये रुसवाइयाँ ,
आदमी रह जाएगा परछाइयाँ जल जाएंगी।

क़त्ल करके अम्न का यूं एक दिन पछताओगे,
चाहतें मिट जाएंगी नजदीकियाँ जल जाएंगी।

फिर मुहब्बत के चरागों को यहां रौशन करो,
जो दिलों में बढ़ गईं वो तल्खियाँ जल जाएंगी।

कविता

कवि पंडित वीरेंद्र मधुर

नई पहल

तारे निकल रहे थे,
सपने उछल रहे थे।

बीमारियों का नाटक,
वे मुखौटे बदल रहे थे।

धन की आग एसी,
पत्थर पिघल रहे थे।

झूठे फसल के दाने,
हथेली मसल रहे थे।

आंदोलन में बैठे बैठे,
उनको भी खल रहे थे।

मधुर सोने वाले सिक्के,
तिजोरी में पल रहे थे।।

कविता

पं. कमल कांत भारद्वाज

मधुमास आ गया

सरसों के पीले फूल,
खेतों में दिखाई देते हैं।
लगता है मधुमास आ गया
राग-ए-वसंत सुनाई देते हैं।
सरसों के पीले फूल...

ये मौसम हैं हरियाली का,
उमंग और श्रृंगार का,
प्रकृति अपने यौवन के साथ है,
सब संगीतमय होते दिखाई देते हैं।
सरसों के पीले फूल...

सरसों, राई और गेहूं के खेत
मन को लुभाने लगते हैं
देखकर फसलों को किसान
गद-गद होते दिखाई देते हैं।
सरसों के पीले फूल...

जाती हुई सर्दियाँ, बड़े होते दिन
गुन गुनी धूप तेज होती है
अम्बर में उड़ते हुए
पीले पतंग दिखाई देते हैं।
सरसों के पीले फूल...

देखकर खो जाते हैं
कुदरत के शबाब में सब
मुझे चारों ओर
गुल चाँदनी के फूल दिखाई देते हैं।
सरसों के पीले फूल...

सुहाना मौसम, मंद सुरभित हवा
कोयल की कुक सुनाई देती है
मत वाला माहौल, मोहनी खूशबू
फाल्गुन के मदमस्त गीत सुनाई देते हैं।
सरसों के पीले फूल...

आज के आधुनिक युग में साहित्य की स्थिति पर डा. कंवल नयन कपूर का कहना है कि आज की युवा पीढ़ी के साहित्य और संस्कृति के प्रति कम होती रुचि सामाजिक दृष्टि से चिंताजनक है, जिसका समाज पर प्रभाव पड़ रहा है। इसलिए युवा पीढ़ी को साहित्य और संस्कृति से जोड़े रखने के लिए साहित्यकारों को अपनी संस्कृति और सभ्यता को सर्वोपरि रखते हुए अपनी कलम चलाना आवश्यक है।

साक्षात्कार

ओ.पी. पाल

साहित्य और संस्कृति से मिलती है समाज को नई दिशा: डा. कंवल नयन

साहित्य और संस्कृति में सामाजिक सरोकार से जुड़े मुद्दों पर बेबाक लेखन करने के मकसद से साहित्यकार अपनी विभिन्न विधाओं में साधना करके समाज में व्याप्त विसंगतियों को पाटने का प्रयास कर रहे हैं। ऐसे ही लेखकों में शुमार वरिष्ठ साहित्यकार डा. कंवल नयन कपूर अपने रचना संसार में साहित्य के साथ सांसकृतिक क्षेत्र में भी अपनी लेखनी चलाते आ रहे हैं। उन्होंने साहित्यिक कृति के शोध से ही पीएचडी की उपाधि हासिल की। अपने साहित्यिक और सांस्कृति क्षेत्र के सफर को लेकर वरिष्ठ साहित्यकार डा. कंवल नयन कपूर ने हरिभूमि संवाददाता से हुई बातचीत में ऐसे अनछुए पहलुओं का जिक्र किया है, जिसमें समाज साहित्य और संस्कृति से समाज को नई दिशा देना संभव है। साहित्यकार डा. कंवल नयन कपूर का जन्म 9 अगस्त 1944 को रावल पिंडी (पश्चिमी पाकिस्तान) के गांव जंड में नाथूराम व मीराबाई के घर में हुआ। भारत विभाजन के दौरान हिंसाओं की त्रासदी की कहानियों की गूंज में उनका बचपन बीता और अमृतसर, लुधियाना, कुरुक्षेत्र के विस्थापित कैम्पों ने उनके शिशु-मन को ऐसे छुआ कि अन्तर्मुखता, अकेलापन और एकान्त से स्थायी मित्रता हो गई। इसके बाद उनका पूरा परिवार 1949 में दिल्ली स्थानांतरित हो गया था, जहां उनके परिवार को स्थायी निवास मिला। दिल्ली में उन्होंने आई.ए.आर.आई. पूसा के सरकारी स्कूल से हायर सैकेण्डरी तक की शिक्षा ग्रहण की, गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज देवनगर और इवनिंग इन्स्टीट्यूट ऑफ हायर स्टडिज, दिल्ली विश्व विद्यालय से हिन्दी में एम.ए. की शिक्षा ग्रहण की, लेकिन परिवार में आर्थिक अभाव निरंतर चलती रही। उन्होंने आगे की शिक्षा छोड़ यमुनानगर (हरियाणा) के एम.एल.एन. महाविद्यालय में प्राध्यापन कार्य आरंभ किया। उन्होंने कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय से 'नई कहानी' विषय में शोध स्वरूप पी.एच.डी. उपाधि प्राप्त की। अगस्त 2004 में इसी महाविद्यालय से विभागाध्यक्ष पद से सेवानिवृत्ति हुई। परिवारिक और शैक्षणिक संस्थाओं के माहौल ने उनमें साहित्यिक संस्कारों का बीजारोपण किया। जबकि घर में माता भगवान कृष्ण की भक्त होने के कारण भजन और गीत गुनगुनाती रहती थी, तो वहीं उनके बड़े भाई उन दिनों भजन और देवी की भेंटे लिखकर गाते थे। मसलन साहित्यिक रुझान उनका अपने घर परिवार से ही हुआ और वह भी बचपन से ही तुकबंदी करने लगे थे। उनका साहित्य एवं चित्र कला के प्रति शुरू से ही विशेष झुकाव रहा है। इसी कारण वह स्कूल-कॉलेज में मंचित कार्यक्रमों में गायन, नाटक आदि में निरन्तर प्रतिभागिता करते रहे। इनकी कविताएं-लेख आदि स्कूल कॉलेज पत्रिकाओं के अलावा बड़ी पत्र-पत्रिकाओं में रचनाएं छपती रही। बकौल डा. कमल नयन, वह अपने आप को कवि और नाटककार मानते हैं, यद्यपि मूर्तिकला, स्थापत्य कला, पेंटिंग व क्ले माडलिंग, इंटीरियर डेकोरेशन जैसी विधाओं में भी उन्होंने काम किया है। सन् 1965 से 1967 तक संचेतन कहानी की ध्वज वाहक पत्रिका 'संचेतना' से सहायक सम्पादक के रूप में काम किया और दिल्ली से प्रकाशित होने वाली पत्रिका 'जाह्नवी' में उनका किशोर उपन्यास 'भारत सम्राट' धारावाहिक रूप से प्रकाशित हुआ। 1976 में पहला कविता संग्रह और 1978 में पहला 'लघु नाटक' संग्रह प्रकाशित हुआ। खासबात है कि इसी दौरान नाट्य मंचन, पेंटिंग, क्ले मॉडलिंग, स्थापत्य कला आदि में भी उन्होंने बहुत काम किया गया, जिसमें मंच संचालन, संगीत आदि में उनकी विशेष रुचि रही। नाटक, कहानी, कविता, समीक्षा, निबन्ध लेखन में निरन्तर प्रवृत रहे। उन्होंने बताया कि उनके द्वारा लिखित छोटे-बड़े नाटकों के चार सौ से अधिक मंचन हो चुके हैं, जिनमें पंजाबी, उर्दू आदि का अनुवादित रूप भी शामिल है। उनकी लम्बी कविता 'शिशु होकर' एवं 'धन्यवाद कान्हा' का मंचन साहित्य-जगत में विशेष चर्चित विषय रहा है। उनका कहना है कि यह सत्य है कि हर रचनाकार अपने रचनाकर्म में आजीवन संलग्न रहते हुए भी अपनी श्रेष्ठ रचना की प्रतीक्षा में ही प्रस्थान पा जाता है। लेकिन इस सोशल मीडिया और इंटरनेट के युग में बढ़ते बाजारीकरण ने हर क्षेत्र को प्रभावित किया है।

प्रकाशित पुस्तकें

डा. कंवल नयन कपूर की प्रकाशित पुस्तकों में प्रमुख रुप से नाटकः यात्रा और यात्रा, कथा लंका दहन की, कथा लंका दहन की, जल घर, रक्त जीवी, आओ मेरे साथ,पंछी तीर्थम, शव पूजा, प्रकृति पर्व और छाया पुरुष जैसी कृतियां सुर्खियों में हैं। जबकि उपन्यासः भारत सम्राट, ठहरी हुई नदी, कविता संग्रहः बौणियां किरणां और उदास गुलमोहर, एक समन्दर मेरे अन्दर, किस्सा कमली दा,मूर्ख होने का सुख, शब्दों के पार, अजब कालखंड, संपत्ति और गीत-अगीत प्रकाशित हुई है।

डा. कंवल नयन कपूर

पुरस्कार व सम्मान

डा. कंवल नयन कपूर को उनकी कृति 'जल घर' के लिए हरियाणा साहित्य अकादमी का सम्मान भी मिला है। वहीं उन्हें राष्ट्रीय हिंदी सेवी सहस्त्राब्दी सम्मान से भी नवाजा जा चुका है। वहीं साल 1995 में तत्कालीन राष्ट्रपति शंकर दयाल शर्मा ने भी सम्मान से अलंकृत किया। हरियाणा के भाषा विभाग, हिंदी साहित्य सम्मेलन, इंडियन ऑर्टस चंडीगढ़ तथा अनेक साहित्यिक और सांस्कृतिक संस्थाओं से अनेक सम्मान व पुरस्कार मिले हैं।

व्यक्तिगत परिचय

नाम : डा. कंवल नयन कपूर
जन्मतिथि : 9 अगस्त 1944
जन्म स्थान : रावलपिंडी (पश्चिम पाकिस्तान)
शिक्षा : बी.ए (ऑनर्स व संस्कृत), एमए(हिन्दी), पीएच.डी.
संप्रति : सेवानिवृत्त विभागाध्यक्ष, एमएलएन महाविद्यालय यमुनानगर, लेखक, साहित्यकार

नेतृत्व कुशलता दिखाती 'महिला ग्राम पंचायत'

पुस्तक : महिला ग्राम पंचायत
लेखक : मधुकांत
मूल्य : 40 रुपये
प्रकाशक : नेशनल बुक ट्रस्ट

पुस्तक समीक्षा

शशि कांत चौहान

महिला ग्राम पंचायत मधुकांत का महिला केंद्रित नाटक है। इस नाटक के माध्यम से लेखक ने यह दिखाया है कि महिलाएं भी सही विजन, नीतियो और योजनाओं के जरिये गाँव के विकास के साथ साथ समान में सुरक्षित माहौल बना सकती है। गाँव की सत्ता संभालने के पहले दिन ही क्या-क्या सुविधाएं दी जानी हैं और उसके लिए क्या कदम उठाए जाने है, इस तैयारी के साथ महिला सरपंच आती है और सब सदस्यों को अवगत कराने के साथ जिम्मेदारी भी लगाती है। अपने फैसले सुनाने के बाद वह दूसरे सदस्यों से सुझाव मांगती है यह उसकी नेतृत्व कुशलता को दिखाता है। महिला सरंपच और पंचों के कार्य संभालने के साथ ही गाँव के विकास के लिए मिलने वाली और में भ्रष्टाचार और महिला सदस्यों के पतियों द्वारा कार्य किए जाने के कारण जो उनकी निष्क्रियता थी उसे भी खत्म करने का बीड़ा महिला पंचायत ने उठाया और उसे अंजाम तक पहुंचाया। इसके साथ ही समाज का सबसे ज्वलंत मुद्दा महिलाओं के प्रति अपराध का है। गांव के बलात्कार जैसे मामलों को भाईचारे की दुहाई देकर दबा दिया जाता है वहीं सरपंच कहती है चाहे मेरा कोई मेरा सगा हो कड़ी सजा दो यह इस बात का प्रतीक है कि वह न्याय और समाज में शांति की कितनी बडी पक्षधर है। महिला सरपंच गांव के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिवद्ध दिखाई देती है। तभी तो वह गांव में वह शहरों जैसी सुविधाएं उपलब्ध करवाने के साथ साथ ग्रामीणों को रक्तदान, आधुनिक खेती बेटियों की शिक्षा के तमाम प्रबंधों के अलावा महिला सशक्तिकरण की दिशा में प्रयास करती नजर आती है। एक तरह से वह अपने प्रयासों में सफल हो जाती है। गाँव के विकास के लिए अच्छे बजट का प्रावधान करवाली है और जो पहली पंचायत की पहली बैठक में लिए गए फैसलों पर मंत्री जी एक दिन गांव में आकर पूरा करने की मुहर लगाते हैं। इसके साथ हो एक लेखक एक बड़ा उदाहरण भी पेश करता है। जिस तरह पुरुष महिलाओं का दमन करते आएं हैं और उनको उनके राजनीतिक अधिकारों का प्रयोग कसे में बाधा बनते रहे हैं जब एक पंच कहती है कि अब हम उन पर राज करेंगे तो सरपंच का यह कहना कि नहीं औरत और मर्द एक गाड़ी के दो पहिये हैं तो यह उसकी विवेकशीलता को और दिखाता है कि उसके मन में पुरुषों की प्रति कुठा नहीं है। वह सबको साथ लेकर चलने का संदेश देती है। कुलमिलाकर लेखक अपने प्रयास और अपना संदेश समाज तक पहुंचाने में सफल रहता है।

निकाय चुनाव : सोनीपत के मतदाता उदासीन खरखौदा में फिर भी कुछ उत्साह दिखाई दिया

हर घंटें मतदान प्रतिशत में बढ़ोतरी, सोनीपत के कम मतदान प्रतिशत का जिले के मतदान प्रतिशत पर असर

सोनीपत। अंगुली पर लगी स्याही दिखाते हुए कांग्रेस प्रत्याशी कमल दिवान एवं उनकी पत्नी।

सोनीपत। पूर्व मंत्री कविता जैन, भाजपा प्रत्याशी राजीव जैन अपने मत का प्रयोग करने के उपरांत अंगुली पर स्याही दिखाते हुए। फोटो : हरिभूमि

सोनीपत। मैप्सको सिटी में मतदान के उपरांत विधायक निखिल मदान अंगुली पर स्याही दिखाते हुए। फोटो : हरिभूमि

सोनीपत। मतदान के उपरांत उपायुक्त एवं उनकी पत्नी।

नेताओं ने डाले वोट दिया मतदान का संदेश

सोनीपत। पूर्व विधायक सुरेंद्र पंवार मतदान के उपरांत स्याही दिखाते हुए।

11 बजे तक 5 .8 प्रतिशत पहुंचा था मतदान प्रतिशत, दोपहर बाद खरखौदा में बढ़ा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

सोनीपत नगर निगम मेयर उपचुनाव और खरखौदा के नगर पालिका के चुनाव रविवार को अलग-अलग रंग लिए दिखाई दिए। खरखौदा में जहां शहर की सरकार चुनने के लिये मतदाताओं में काफी हद तक उत्साह था, वहीं सोनीपत में शहर की सरकार सिरमौर चुनने के लिये मतदाता उदासीन था। सोनीपत नगर निगम उपचुनाव में मतदाताओं की उदासीनता ने सोनीपत जिले के मतदान प्रतिशत पर गहरा असर डाला। सोनीपत निगम क्षेत्र में मतदाताओं का हाल बहुत ही बुरा रहा। किसी भी मतदान केंद्र पर लाइनें नहीं लगी दिखाई दी। यही कारण रहा कि जिले में कुल 31.0 फीसदी ही मतदान हुआ। इसमें खरखौदा के लोगों ने थोड़ा जोश दिखाते हुए 62.3 फीसदी मतदान किया, जबकि सोनीपत में महज 28.8 फीसदी मतदाताओं ने अपने मत का प्रयोग किया। निकाय चुनाव में सोनीपत नगर निगम मेयर के लिए 268 बूथ बनाए गए थे। यहां सुबह आठ बजे मतदान प्रक्रिया शुरू हुई, लेकिन बूथों पर मतदाता ही नजर नहीं आ रहे थे। सुबह 11 बजे तक अपेक्षाकृत बहुत कम मतदान हुआ। इसे बाद कुछ मतदाता घर से निकले और बूथ तक पहुंचे। दोपहर 12 बजे से 2 बजे के बीच में मतदान फीसदी बढ़ता नजर आया। निगम उप चुनाव में कहीं पर भी सख्ती देखने को नहीं मिली। सोनीपत में 294362 मतदाताओं में से 84923 ने ही अपने मत का प्रयोग किया। दूसरी तरफ खरखौदा में नगर पालिका चुनाव में भी मतदान की शुरुआत धीमी रही। हालांकि सुबह 11 बजे के बाद मतदाताओं ने जोश दिखाया और बूथों पर मतदान करने के लिए पहुंचने लगे। जिससे हर घंटे समीकरण बदलते रहे। यहां 23 बूथों पर 20149 में से 12543 मतदाताओं ने बूथों पर पहुंचकर मतदान किया।

परिवार सहित मतदान करने पहुंचे विधायक पवन खरखौदा

हर घंटे ऐसे बीता चुनाव

समय	सुबह 11 बजे
कुल मतदाता	314511
मतदान किया	18450
5.8 फीसदी हुआ मतदान	
दोपहर 12:00 बजे तक	
मतदान किया	23234
सोनीपत	6.3 फीसदी
खरखौदा	22.7 फीसदी
कुल मतदान	7.4 फीसदी
दोपहर 01:00 बजे तक	
मतदान किया	37509
सोनीपत	10.9 फीसदी
खरखौदा	27.1 फीसदी
कुल मतदान	11.9 फीसदी
दोपहर 02:00 बजे तक	
मतदान किया	54641
सोनीपत	15.8 फीसदी
खरखौदा	40.7 फीसदी
कुल मतदान	17.4 फीसदी
दोपहर 03:00 बजे तक	
मतदान किया	60080
सोनीपत	17.5 फीसदी
खरखौदा	42.2 फीसदी
कुल मतदान	19.1 फीसदी
शाम 04:00 बजे तक	
मतदान किया	77755
सोनीपत	23.0 फीसदी
खरखौदा	49.9 फीसदी
कुल मतदान	24.7 फीसदी
शाम 05:00 बजे तक	
मतदान किया : 81516	
सोनीपत :23.9 फीसदी	
खरखौदा : 55.4 फीसदी	
कुल मतदान : 25.9 फीसदी	
शाम 06:00 बजे तक	
मतदान किया	84347
सोनीपत	24.6 फीसदी
खरखौदा	59.2 फीसदी
कुल मतदान : 26.8 फीसदी	
शाम 07:00 बजे तक	
मतदान किया	84347
सोनीपत	28.8 फीसदी
खरखौदा	62.3 फीसदी
कुल मतदान	31.0 फीसदी

खरखौदा नपा चुनाव में 62.3 प्रतिशत हुआ मतदान

खरखौदा। दूधमुंहे बच्चे को लेकर मतदान करने पहुंची 29 वर्षीय निधि जैन।

खरखौदा। खरखौदा नगर पालिका अध्यक्ष व वार्ड पार्षदों रविवार को हुई मतदान प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। निर्वाचन आयोग के डैशबोर्ड अनुरूप रात्रि 8 बजे समाचार लिखे जाने तक खरखौदा नगर पलिका चुनाव के लिए लगभग 62.3 प्रतिशत मतदान हुआ। खरखौदा नगर पलिका चुनाव के लिए 12 मार्च को मतगणना प्रक्रिया का आयोजन किया जाएगा। खरखौदा नगर पालिका चुनाव के लिए 23 मतदान केन्द्र बनाए गए थे, जिनमें 20 हजार 149 मतदाताओं में से 12 हजार 543 मतदाताओं ने वोट डाले। मतदान प्रक्रिया शांतिपूर्ण संपन्न होने के उपरांत पुलिस सुरक्षा में पोलिंग पार्टियां अपने-अपने स्ट्रांग रूम में पहुंचने लगी थी। अध्यक्ष पद के लिए चार प्रत्याशी चुनाव मैदान में थे। जिनमें भाजपा पार्टी से हीरालाल इंदौरा और निर्दलीय उम्मीदवार मैक्सीन ठेकेदार, ममता मेहरा सैनी व किरण देवी चुनाव मैदान में थे। जिनमें से 26 फरवरी को सीएम नायब सैनी की मौजूदगी में ममता मेहरा सैनी ने भाजपा पार्टी ज्वाइन करते हुए अपना समर्थन भाजपा उम्मीदवार को दे दिया था और समर्थन के बाद वह भाजपा उम्मीदवार के लिए वोट मांगने में जुट गई थी। खरखौदा में 16 में से 15 वार्डों में पार्षद पद के लिए 43 प्रत्याशी चुनाव मैदान में थे। जिनमें से एक प्रत्याशी पूनम देवी वार्ड 12 से बी सीबी श्रेणी में निर्विरोध चुनी जा चुकी है। रविवार को सुबह 8 बजे मतदान शुरू हो गया था। एसपी भूपेंद्र सांगवान आब्जर्वर के रूप में खरखौदा के सभी बूथों पर पहुंचे और उन्होंने आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उनके साथ एसीपी जीत सिंह बेनीवाल व खरखौदा थाना प्रभारी बीर सिंह उनके साथ रहे। कई मतदान केंद्रों पर प्रत्याशियों ने शिकायत की कि बाहर से जो वोटर स्लिप आ रही हैं। उन पर चुनाव चिन्ह का निशान है जो कि नहीं होना चाहिए। इसके बाद पुलिस ने स्पेशल ड्यूटी लगाकर मुख्य गेट पर ही पर्चियां जांचने का काम शुरू कर दिया। जिस पर्ची पर कोई भी चुनाव चिन्ह था उसको वापस भेज दिया और केवल सिंपल पर्ची ही अंदर जाने दी गई, ताकि मतदान किसी भी रूप से प्रभावित ना हो। नगरपालिका चुनाव में 23 बूथों पर 45 ईवीएम मशीन रखवाई गई थी। मतदाताओं को मत का प्रयोग करने के लिए वार्ड 12 में केवल अध्यक्ष पद के लिए एक मशीन रखी गई थी। जबकि बाकी सभी बूथों पर दो-दो मशीन रखवाई गई थी। कड़ी सुरक्षा के बीच सभी मशीनों को एजेंटों के सामने सील करके कन्या महाविद्यालय में स्ट्रांग रूम में जमा करवाया गया। अब 12 मार्च को ईवीएम मशीन खुलने से प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला होगा। एसडीएम एवं रिटर्निंग अधिकारी डॉ निर्मल नागर का कहना है कि सभी स्टाफ सदस्यों, पुलिसकर्मियों, कर्मचारियों, प्रत्याशियों के एजेंटों व अन्य स्टाफ की सूझबूझ के कारण ही चुनाव शांतिपूर्वक संपन्न हो पाया है। विधायक पवन खरखौदा ने अपनी पत्नी व परिवार के अन्य सदस्यों के साथ मतदान किया।

किस नेता ने कहां किया मतदान

विधायक निखिल मदान ने रविवार को मैप्सको सिटी स्थित मतदान केंद्र संख्या 223 पर अपने मत का प्रयोग किया। विधायक ने इस दौरान भाजपा प्रत्याशी की जीत का दावा किया। वहीं पूर्व विधायक सुरेंद्र पंवार ने सेक्टर 15 स्थित डीएवी स्कूल में बने मतदान केंद्र में अपने मत का प्रयोग किया।

सुरेंद्र पंवार ने लोगों से अपील करते हुए कांग्रेस की जीत का दावा किया। इसके अलावा भाजपा प्रत्याशी राजीव जैन ने भी अपनी पत्नी एवं पूर्व केबिनेट मंत्री कविता जैन के साथ डीएवी स्कूल स्थित मतदान केंद्र पर मत का प्रयोग किया। कांग्रेस प्रत्याशी कमल दिवान ने मॉडल टाउन स्थित मतदान केंद्र संख्या 104 पर पहुंचकर परिवार सहित मत का प्रयोग किया।

उन्होंने लोगों का आह्वान किया कि घरों से निकलकर अधिक से अधिक संख्या में मतदान करे, क्योंकि लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए मतदान करना बेहद जरूरी है। आम आदमी पार्टी के लोकसभा अध्यक्ष देवेंद्र गौतम ने रायपुर स्थित मतदान केंद्र 221 पर परिवार सहित मतदान किया।

सोनीपत। नगर निगम मेयर उप-चुनाव के अंतर्गत लोकतंत्र के महापर्व का हिस्सा बनने के लिये नेताओं ने कोई कसर नहीं छोड़ी। चाहे कांग्रेस प्रत्याशी कमल दिवान हों या फिर भाजपा प्रत्याशी राजीव जैन, प्रत्याशियों ने भी अपने अपने मतदान केंद्रों पर जाकर मतदान किया। इसके अलावा विधायक और पूर्व विधायक ने भी अपने मत का प्रयोग किया।

इस दौरान कम मतदान प्रतिशत को लेकर नेताओं ने चिंता भी व्यक्त किया। नेताओं ने स्पष्ट किया कि लोकतंत्र की मजबूती के लिये अच्छा मतदान प्रतिशत जरूरी होता है। ऐसे में लोगों को चाहिये कि वो घरों से निकलें और लोकतंत्र के इस पर्व में हिस्सा बनें।

वहीं उपायुक्त डॉ. मनोज कुमार ने अपनी धर्मपत्नी डॉ. निधि के साथ न्यू कोर्ट रोड स्थित हिंदू वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में बनाये गये बूथ पर पहुंचकर मतदान किया। इस दौरान उन्होंने सामान्य मतदाता की तरह बूथ पर लगी लाईन में खड़े होकर मतदान किया।

सोनीपत। मतदान के उपरांत आप नेता देवेंद्र गौतम अपने परिवार के साथ।

शांति पूर्वक चुनाव करवाने के लिए खाकी की रही अहम भूमिका, बूथ से लेकर चौकों पर रही तैनाती

सोनीपत। पुलिस आयुक्त नाजनीन भसीन ने नगर निकाय चुनावों को स्वतंत्र, निष्पक्ष व शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए जिले के सभी पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश पहले ही जारी कर दिए थे। उन्होंने चुनावी प्रक्रिया के दौरान कड़ी सतर्कता बरतने, कानून-व्यवस्था बनाए रखने तथा किसी भी प्रकार की गड़बड़ी पर तुरंत कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे। शहर में मेयर के उपचुनाव व खरखौदा में चुनाव को लेकर पुलिस विभाग की तरफ से अलग-अलग चौक-चौराहों

सोनीपत। बूथ पर तैनात पुलिस कर्मी।

के साथ बूथों पर पुलिस बल तैनात रहा। पुलिस अधीक्षक ने सभी पुलिस अधिकारियों को संवेदनशील व अति-संवेदनशील मतदान केंद्रों पर विशेष निगरानी रखने, गश्त करने तथा असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखने के निर्देश दिए। साथ ही, चुनाव में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी या हिंसा को रोकने के लिए पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित की गई है। प्रत्येक बूथ के अंदर व बाहर पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया है। वहीं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए दो रिजर्व पुलिस बल भी तैयार रखे गए हैं। सोनीपत नगर निगम में 268 बूथों पर मतदान हुआ। जिसमें 49 वलनरेबल बूथ शामिल थे। पुलिस विभाग की तरफ से 1550 पुलिस कर्मचारियों की तैनाती की गई थी। वहीं पुलिस की राइडर्स टीम लगातार गश्त करती रही। इसके साथ ही सीपी के मार्गदर्शन में डीसीपी व एसीपी को अलग-अलग जिम्मेदारी सौंपी गई थी। दिन भर में किसी प्रकार की चुनाव विरोधी घटना नहीं देखने को मिली। पुलिस की तरफ से गोहाना रोड बाईपास पर पुलिस कर्मचारी वाहनों की चेकिंग के साथ बेरिकेडिंग करके जांच करते हुए देखे गए।

सोनीपत। गोहाना रोड पर बेरिकेंटिंग।

सोनीपत। कार में तलाशी लेते पुलिस कर्मी।

भठगांव में शिविर, 50 ने किया रक्तदान

सोनीपत। जनहित अभियान फाउंडेशन द्वारा गांव भठगांव में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। फाउंडेशन के अध्यक्ष नरेंद्र हुड्डा ने बताया कि आज के रक्तदान शिविर में 50 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया। उन्होंने कहा कि सभी युवाओं को वर्ष में चार बार रक्तदान चाहिए क्योंकि रक्तदान करने से हमारे शरीर में कोई कमी नहीं आती बल्कि रक्तदाताओं को इस का लाभ ही मिलता है। इस अवसर पर डॉ. सुभाष सिसोदिया, अंग्रजी प्रवक्ता पूर्ण सिंह, सुनील दहिया आदि उपस्थित रहे।

राजकीय महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने डीयू में लिया व्यवहारिक प्रशिक्षण

खरखौदा। शहीद दलबीर सिंह राजकीय महाविद्यालय पीपली के आउट रीच के अंतर्गत प्राचार्या डॉ तराना नेगी के मार्गदर्शन में प्रभारी किरन सरोहा द्वारा महाविद्यालय के विद्यार्थियों को दिल्ली विश्वविद्यालय के प्राणी विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित एक दिवसीय व्यवहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया गया। यह कार्यक्रम नई शिक्षा नीति के तहत विभिन्न संकायों में विद्यार्थियों का ज्ञानवर्धन हेतु किया गया। कार्यक्रम का विषय मछली आंत माइक्रोबायोम के मेटाबोलोमिक्स और मेटाजेनोमिक प्रोफाइलिंगः मछली स्वास्थ्य परिणामों को समझने के लिए महत्वपूर्ण मेटाबोलोमिक मार्ग और अंतः क्रियाओं को उजागर करना रहा। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ राम किशन नेगी, प्रोफेसर, दिल्ली विवि रहे। प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य आणविक जीव विज्ञान, माइक्रोबायोम विश्लेषण, मत्स्य विज्ञान में छात्रों के व्यावहारिक ज्ञान और शोध कौशल को बढ़ाना है।

संत समागम वार्षिक महोत्सव श्री कृष्ण प्रणामी मन्दिर सिद्धपीठ धाम एवं गौशाला गन्नौर में 14 से

गन्नौर। संत समागम वार्षिक महोत्सव श्री कृष्ण प्रणामी मन्दिर सिद्धपीठ धाम एवं गौशाला गन्नौर में 14 मार्च से 20 मार्च तक धूमधाम से मनाया जाएगा। यह जानकारी श्री कृष्ण प्रणामी मन्दिर, सिद्धपीठ धाम एवं गऊशाला के संस्थापक गौ ऋषि श्री श्याम दास महाराज ने दी। श्री श्याम दास महाराज ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत के पहले दिन 14 मार्च को मंगल आरती, श्री तारतम सागर पारायण शुभारंभ, 19 मार्च को संतो का प्रवचन दोपहर 2 बजे, संगीतमय भजन संध्या रात्रि 8 बजे , फूलों की होली रात्रि 9 बजे से, वीरवार, 20 मार्च संतो का प्रवचन एवं भजन, दोपहर 12 बजे ध्वजारोहण के बाद भंडारे का आयोजन होगा।

प्रथम छात्रवृत्ति परीक्षा में बच्चों ने लिया हिस्सा

गन्नौर। रौनक पब्लिक स्कूल, गन्नौर द्वारा आयोजित छात्रवृत्ति कम प्रवेश परीक्षा में बच्चों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। विद्यालय की प्रधानाचार्या रजनी शर्मा ने अभिभावकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि गन्नौर क्षेत्र के अभिभावकों ने विद्यालय की छात्रवृत्ति के प्रति जिस तरह से रुचि दिखलाई है, वह वास्तव में प्रशंसनीय है। उन्होंने कहा कि यह दिखलाता है कि गन्नौर के अभिभावक कितने जागरुक हैं और वे अपने बच्चों के भविष्य के प्रति कितने सजग हैं। आगामी छात्रवृत्ति परीक्षा 30 मार्च 2025 को आयोजित की जाएगी इन परीक्षाओं में बैठने वाले विद्यार्थियों में से प्रतिभावान बच्चों को निश्चित रूप से छात्रवृत्ति के लिए चुना जाएगा । ये परीक्षा बच्चों के लिए एक अच्छा अवसर हैं, जिससे वे अपनी प्रतिभा को दिखा सकें और छात्रवृत्ति प्राप्त कर सकें।

गन्नौर। डीआईटीएम कॉलेज से छात्रों को कॉलेज के निदेशक डॉक्टर नीरज कुमार रवाना होते हुए ।

छात्रों ने कंपनी का दौरा कर जानकारी हासिल की

गन्नौर। डीआईटीएम कॉलेज, गन्नौर, सोनीपत के छात्रों ने औद्योगिक दौरे के तहत काला अंब स्थित कॉन्टिनेंटल फर्निशर्स प्राइवेट लिमिटेड कंपनी का दौरा किया। दौरे की शुरुआत कॉलेज के छात्रों ने मार्कंडा मंदिर में पूजा अर्चना करके की । छात्रों को एक पुल दिखाया गया और उन्हें इंजीनियरिंग विषयों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। इसके बाद, छात्रों ने महामाया बालसुंदरी माता मंदिर और माता ललिता देवी की पदयात्रा गए और पूजा अर्चना की । कॉलेज के निदेशक डॉ. नीरज कुमार ने छात्रों को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया । कॉलेज के अध्यक्ष संजीव जैन ने छात्रों को कहा कि भविष्य में भी ऐसे औद्योगिक दौरे आयोजित किए जाएंगे जो छात्रों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। दौरा छात्रों को शिक्षा और व्यावहारिक ज्ञान के बीच एक सशक्त कड़ी स्थापित करने में मदद करेगा। अध्यक्ष संजीव जैन ने कहा कि डीआईटीएम इंजीनियरिंग कॉलेज की इंजीनियरिंग के क्षेत्र में शिक्षा में अपनी विशेष पहचान है । कॉलेज से शिक्षा ग्रहण करने वाले छात्र विभिन्न कंपनियों में नौकरी पाकर बहुत अच्छे पैकेज प्राप्त कर रहे हैं, इन सबका श्रेय कॉलेज की पूरी टीम को है जिनकी कड़ी मेहनत के परिणाम स्वरुप छात्रों ने बेहतर अंक प्राप्त किया और उनका अच्छी कंपनियों में चयन हुआ

परिवारोत्सव में अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रमों और खेल गतिविधियों का आयोजन

गन्नौर। बी आर ग्लोबल विद्यालय के प्रांगण में परिवारोत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय में अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रमों और खेल गतिविधियों का आयोजन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन से किया गया। विद्यालय के विद्यार्थियों ने अतिथियों के मनोरंजन हेतु अनेक आकर्षक नृत्य प्रस्तुत किए। मोबाइल फोन की बुरी आदत से जुड़ी लघु नाटिका का मंचन किया गया। सभी अतिथियों ने खेल प्रतियोगिताओं में हर्षोल्लास से भाग लिया और अपने बचपन के दिनों को याद किया। विजयी प्रतिभागियों को पदक और उपहार दे कर सम्मानित किया गया। विद्यालय के निदेशक राकेश यादव, शैक्षणिक निदेशिका पूजा पहल, प्रधानाचार्य यशपाल ने सभी अतिथियों को का हार्दिक स्वागत किया । विद्यालय के प्रधानाचार्य ने बताया कि घर के बुजुर्ग ही मजबूत नींव के समान होते हैं इसलिए उनका मान सम्मान करना हर व्यक्ति का पहला कर्त्तव्य होना चाहिए । परिवार की एकजुटता में ही बच्चे का समुचित विकास होता है। बुजुर्गों का सम्मान करना हमारी परंपरा

है। वृद्धजनों से हमें प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से सदैव मार्गदर्शन मिलता है। संयुक्त परिवार में बुजुर्गों की सदा आवश्यकता महसूस की जाती है। वरिष्ठजनों की जिम्मेदारी है कि वे अपने अनुभव का लाभ आने वाली पीढ़ी को आशीर्वाद के तौर पर दें। युवाओं की ऊर्जा और वरिष्ठजनों के अनुभव से ही समाज और देश समृद्ध होगा। वृद्धजन वटवृक्ष के समान हैं। इनकी छाया में रहने वाले लोग धूप, आंधी एवं अन्य विपत्तियों से बचे रहते हैं। वृद्धजनों के अनुभवों का लाभ समाज को उठाना चाहिए। कार्यक्रम की व्यवस्था स्कूल के शिक्षकों ने संभाली।

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग ने गांव आहुलाना में प्राकृतिक खेती जागरूकत शिविर आयोजित किया

गुणवत्ता युक्त अनाज उत्पादन के लिए प्राकृतिक खेती करें

गोहाना। एक पुरानी कहावत है जैसा खाओगे अन्न वैसा होगा मन। ऐसे में मन की निर्मलता और अच्छे स्वास्थ्य के लिए गुणवत्ता युक्त अनाज ही ग्रहण करें। अच्छी गुणवत्ता के अनाज का उत्पादन केवल प्राकृतिक खेती से ही संभव है। यह बात कृषि एवं किसान कल्याण विभाग से मास्टर प्रशिक्षक तीर्थ और राकेश ने कही। वे गांव आहुलाना में आयोजित शिविर में ग्रामीणों कोा प्राकृतिक खेती करने के लिए प्रेरित कर रहे थे।मास्टर प्रशिक्षक तीर्थ ने कहा कि अच्छी पैदावार लेने के चक्कर में फसलों में आवश्यकता से अधिक रासायनिक खादों और कीटनाशकों के छिडक़ाव से अनाज की गुणवत्ता पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। यह अनाज खाने से स्वास्थ्य भी बिगड़ रहा है। प्रशिक्षक राकेश ने कहा कि किसान प्राकृतिक खेती को अपनाएं। प्राकृतिक खेती से बेशक अनाज का उत्पादन थोड़ा कम होगा लेकिन अनाज की गुणवत्ता बहुत बेहतर होगी और मार्केट में

भाव भी अच्छा मिलेगा। विभाग द्वारा गांव बली, बिलबिलान और खेड़ी में भी जागरूकता शिविर आयोजित किए गए। शिविरों में एटीएम कृष्ण खासा ने किसानों को रबी और खरीफ की फसलों का ऑनलाइन पंजीकरण करवाने के लिए कहा और इसके फायदे बताए। शिविरों में एटीएम ज्योति, पिंकी, अंकेश, सुपरवाइजर मनीषा, संजय, दीपक और हर्षद ने भी ग्रामीणों को संबोधित किया।

अंतरराष्ट्रीय फल एवं सब्जी मंडी का केंद्रीय मंत्री ने किया निरीक्षण

केंद्रीय शहरी विकास एवं ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल के साथ विधायक देवेंद्र कादियान भी रहे मौजूद

- निर्माण कार्यों की प्रगति व बुनियादी सुविधाओं का भी लिया जायजा
- मंडी के निर्माण कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए: मनोहर लाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

गन्नौर। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल मंडी के दौरे के दौरान विधायक देवेंद्र कादियान व कंपनी के अधिकारियों से चर्चा करते हुए ।

केंद्रीय शहरी विकास एवं ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने गन्नौर में बन रही अंतरराष्ट्रीय फल एवं सब्जी मंडी का रविवार को करनाल से दिल्ली जाते समय औचक निरीक्षण किया। उनके साथ गन्नौर के विधायक देवेंद्र कादियान भी थे । उन्होंने मंडी में चल रहे निर्माण कार्यों की प्रगति व बुनियादी सुविधाओं का भी निरीक्षण किया। मौके पर मौजूद कंपनी के अधिकारियों से मंडी के विकास कार्यों की विस्तृत जानकारी ली। निरीक्षण के बाद केंद्रीय मंत्री ने मंडी का निर्माण कार्य करवा रही कंपनी केअधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मंडी के निर्माण कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए। साथ ही समय सीमा में काम पूरा करने के निर्देश भी दिए। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि यह मंडी एक महत्वपूर्ण परियोजना है। इससे क्षेत्र के किसानों और व्यापारियों को सीधा लाभ मिलेगा। मंडी के पूरा होने से फल और सब्जियों के व्यापार को नई दिशा मिलेगी। मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि गन्नौर क्षेत्र में 537 एकड़ में बन रही एशिया की सबसे बड़ी अंतरराष्ट्रीय फल-फूल एवं बागवानी मंडी का काम 400 दिन में पूरा करने का लक्ष्य दिया गया है। यहां चल रहे निर्माण कार्यों को जल्द पूरा करवाया जाएगा। अंतरराष्ट्रीय फल-फूल एवं बागवानी मंडी बनने से प्रदेश के किसानों के जीवन में नई क्रांति आएगी। सब्जी उत्पादक किसानों के लिए आय दोगुनी ही नहीं, बल्कि तीन गुना हो सकेगी। मनोहर लाल ने कहा कि मंडी का कार्य पूर्ण होने के बाद आसपास के क्षेत्र में उन्नति होगी।

विधायक से की चर्चा

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने निर्माण कार्य कर रही कंपनी के अधिकारियों द्वारा समस्या से अवगत कराने के बाद मंडी के निर्माण कार्य के दौरान आ रही स्थानीय स्तर पर समस्याओं को दूर करने के लिए मंत्री ने विधायक देवेंद्र कादियान से बातचीत की। विधायक ने बताया कि कुछ समस्याओं को तो दूर करवा दिया गया है । विधायक कादियान ने कहा कि मंडी का निर्माण कार्य पूरा होने के बाद क्षेत्र के लोगों के लिए रोजगार के अवसर पैदा होंगे ।

गन्नौर। विधायक देवेंद्र कादियान यात्रा रवाना होने से पूर्व पूजा अर्चना करते हुए।

सच्चे मन से श्याम बाबा के दरबार में निशान अर्पित करने से पूरी होती मनोकामना: कादियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

श्री श्याम फाल्गुन महोत्सव पर रविवार को एक समिति द्वारा गन्नौर ने छठी भव्य निशान यात्रा निकाली। यात्रा रेलवे पार्क के पास से शुरू होकर चुलकाना धाम तक पहुंची। विधायक देवेंद्र कादियान ने बतौर मुख्य अतिथि शुभारंभ किया। वे निशान ध्वज लेकर यात्रा में शामिल हुए। यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। महिलाएं मंगल गीत गा रही थीं। पुरुष हारे के सहारे के जयकारे लगा रहे थे। डीजे की धुन पर श्रद्धालु नृत्य कर रहे थे। रास्ते में यात्रा पर पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया।

श्रद्धालुओं ने रंग-गुलाल उड़ाकर उत्सव मनाया। चुलकाना धाम पहुंचकर बाबा श्याम को निशान अर्पित किए गए। विधायक देवेंद्र कादियान ने कहा कि बाबा श्याम सभी दुखों का नाश करते हैं। जो भी सच्चे मन से उनके दरबार में निशान अर्पित करता है, उसकी मनोकामना पूरी होती है। उन्होंने कहा कि बाबा श्याम भगवान श्रीकृष्ण के कलयुगी अवतार हैं। वे हारे और निराश लोगों को संबल प्रदान करते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि गन्नौर से सटे चुलकाना में बाबा श्याम के दर्शन और सानिध्य मिलना गर्व की बात है। आयोजकों ने मुख्य अतिथि देवेंद्र कादियान का स्वागत किया। उन्हें श्याम बाबा की प्रतिमा भेंट की गई। मौके पर नपाध्यक्ष अरुण त्यागी, अमित जैन, अंकित मल्होत्रा, हरीश वाधवा, जोगिंदर, राजेश चौहान, अमित कौशिक, योगेश कौशिक सहित कई श्रद्धालु मौजूद रहे।

निकाय चुनाव में रिकॉर्ड जीत हासिल करेगी भाजपा:जस्सी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

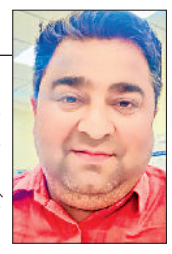

भाजपा खानपुर मंडल के अध्यक्ष जस्सी खुराना ने कहा कि भाजपा द्वारा हर वर्ग के हित में नई योजनाएं लागू करके विकास को नई गति प्रदान की है।

भाजपा को उसकी जन कल्याणकारी योजनाओं का निकाय चुनाव में भरपूर लाभ मिलेगा। इन चुनावों में भाजपा रिकॉर्ड जीत हासिल करके नया इतिहास रचने का काम करेगी।मंडल अध्यक्ष खुराना ने कहा कि केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और हरियाणा प्रदेश में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व भाजपा सरकार द्वारा किसान, मजदूर और व्यापारी सहित सभी वर्गों के हितों को ध्यान में रखते हुए विकास को नई रफ्तार दी गई है। भाजपा ने अपने कार्यकाल के मात्र सौ दिनों में 18 वादे पूरे कर दिए गए। ये सभी वो वायदे हैं जो भाजपा ने लोगों से किए थे। उन्होंने कहा कि भाजपा झूठ की राजनीति नहीं करती। भाजपा अपने सभी वायदों को पूरा करेगी। भाजपा की जनहितकारी नीतियों को जनता भलि प्रकार से समझ चुकी है।

बोर्ड परीक्षाओं को लेकर केंद्र व मुख्य अधीक्षकों के साथ की वर्चुअल मीटिंग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

- परीक्षा की पवित्रता बनाए रखना अत्यंत आवश्यक : उपायुक्त

उपायुक्त डॉ. मनोज कुमार की अध्यक्षता में रविवार को ऑनलाइन बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड, भिवानी द्वारा आयोजित की जा रही परीक्षा के लिए नियुक्त सभी केंद्र अधीक्षकों एवं मुख्य अधीक्षकों ने भाग लिया।

उपायुक्त डॉ. मनोज कुमार ने कहा कि परीक्षा को पूरी ईमानदारी और पारदर्शिता के साथ आयोजित करवाने के लिए परीक्षा में तैनाम सभी कर्मचारी अपनी ड्यूटी का ईमानदारी के साथ निर्वहन करें। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि परीक्षा की पवित्रता बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने निर्देश दिए कि परीक्षा प्रक्रिया को अनुशासनबद्ध और निष्पक्ष रूप से संचालित किया जाए। किसी भी प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने कहा कि यदि कोई कर्मचारी परीक्षा के दौरान नकल या अन्य अनुचित साधनों में संलिप्त पाया जाता है, तो उसके खिलाफ आपराधिक मुकदमा दर्ज किया जाएगा। जिले के सभी परीक्षा केंद्रों पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया जाएगा ताकि परीक्षाएं सुचारू रूप से और निष्पक्षता के साथ संपन्न हो सकें। डीईओ नवीन गुलिया ने सभी अधिकारियों को सख्ती से निर्देशों का पालन करने के लिए कहा।

ज्योग्राफी क्विज में नैन्सी-कृतिका प्रथम

पीपीटी में अनुष्का अव्वल रही

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

टीकाराम गर्ल्स कालेज में संपन्न शैक्षणिक महोत्सव में जीवीएम गल्र्ज कालेज की छात्राओं ने सफल प्रदर्शन करते हुए दो प्रथम सहित पांच पुरस्कार प्राप्त किए। ज्योग्रफी क्विज में जीवीएम की नैन्सी व कृतिका तथा पीपीटी में अनुष्का अव्वल रही।

संस्था के प्रधान डा. ओपी परूथी व प्राचार्या डा. मंजुला स्पाह ने विजेताओं को बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य के लिए आशीर्वाद दिया। जीवीएम की कला संकाय की डीन संगीता शर्मा ने बताया कि टीकाराम में शैक्षणिक उत्सव का आयोजन करते हुए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया। इनमें जीवीएम की छात्राओं ने भी हिस्सा लिया, जिनमें खुशी, तमन्ना, प्रांजल, योगिता, तन्नू, दीया, नैन्सी, कृतिका, डॉली, मुस्कान, इशिका, पलक, अदिति, काजल, अनुष्का, भाविका, प्रिया, मीमांसा और निहारिका शामिल रही। कालेज लौटने पर प्राचार्या डा. मंजुला स्पाह ने विजेताओं का अभिनंदन किया। इस मौके पर संयोजक प्राध्यापिका संगीता शर्मा, रोजी चोपड़ा, डा. पिंकी आदि ने बधाई दी।

सोनीपत। विजेता छात्राओं के साथ प्राचार्या एवं अन्य। फोटो : हरिभूमि

कार आगे अड़ाकर युवकों ने टूरिस्ट बसों के शीशे तोड़े, केस

गोहाना। रोहतक-पानीपत हाईवे स्थित गोहाना में ट्रक यूनियन के निकट टूरिस्ट बसों के आगे तीन युवकों ने कार अड़ा दी। बसों को रुकवाकर उनके शीशे तोड़ दिए और चालकों से मारपीट की। कार सवार युवकों ने बसों में सवार यात्रियों से गाली-गलौज करके दुर्व्यवहार किया। पुलिस ने चालकों से बातचीत करने की कोशिश की तो वे बसों को लेकर चले गए। युवक भी कार लेकर फरार हो गए। सहायक उप निरीक्षक की शिकायत पर शहर थाना में केस दर्ज किया गया। सहायक उप निरीक्षक संदीप कुमार पुलिस टीम के साथ रोहतक-पानीपज हाईवे पर गश्त कर रहे थे। वे ट्रक यूनियन के पास मौजूद थे। उसी समय बिहार और एक दूसरे राज्य की नंबर की बस के आगे हरियाणा नंबर की कार को अड़ा दिया गया। कार में दो-तीन युवक सवार थे। युवकों ने बसों के चालकों के साथ मारपीट की। बसों में बैठे यात्रियों से गाली-गलौज की और जान से मारने की धमकी दी। दोनों बसों की खिड़कियों के शीशे तोड़ रखे थे। सहायक पुलिस निरीक्षक ने बस चालकों से बातचीत करने की कोशिश की तो वे अपनी-अपनी बस को लेकर चले गए। कार सवार युवकों का नाम पूछने की कोशिश की।

आशीष दहिया ने 157वीं बार किया रक्तदान

धर्मवीर दहिया के जन्मदिवस पर रक्तदान शिविर का आयोजन

खरखौदा। धर्मवीर दहिया के जन्म दिवस पर रक्तदान करते उनके शिष्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶| खरखौदा

इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी सोनीपत के पूर्व जिला प्रशिक्षण अधिकारी झरोठी निवासी धर्मवीर दहिया ने अपना संपूर्ण जीवन समाज सेवा और मानवता की भलाई के लिए समर्पित कर दिया। अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने बड़ी संख्या में युवाओं को प्राथमिक चिकित्सा का प्रशिक्षण दिया और उन्हें रक्तदान, आपातकालीन सहायता और समाज सेवा के प्रति जागरूक किया। उनकी प्रेरणा से रविवार को हजारों युवा रक्तदान अभियान से जुड़े हुए हैं, जो न केवल जरूरतमंदों की जान बचा रहे हैं, बल्कि समाज में परोपकार की भावना को भी सशक्त कर रहे हैं। धर्मवीर दहिया के जन्मदिवस के अवसर पर उनके दो शिष्यों, सिसाना निवासी आशीष दहिया और खांडा निवासी नवीन ने अपने गुरु के सम्मान में क्रमशः 157 वीं और 30 वीं बार रक्तदान किया। यह न केवल गुरु-शिष्य परंपरा का एक उत्कृष्ट उदाहरण है, बल्कि यह दर्शाता है कि समाज सेवा की ज्योति उनके शिष्यों के माध्यम से निरंतर प्रज्वलित हो रही है। आशीष दहिया स्वयं रक्तदान के प्रति जागरूकता फैलाने में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं, ने अपने गुरु धर्मवीर दहिया से प्रेरणा लेकर अब तक 157 बार रक्तदान किया है, जो अपने आप में एक उपलब्धि है। इसी तरह, खांडा निवासी नवीन ने भी 30 वीं बार रक्तदान करके समाज सेवा की इस पावन परंपरा को आगे बढ़ाया। इस अवसर पर स्थानीय नागरिकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और रेड क्रॉस से जुड़े पदाधिकारियों ने भी धर्मवीर दहिया के कार्यों की सराहना की और उन्हें मानवता के सच्चे सेवक की उपाधि दी।

समाज कल्याण संगठन ने डिवाइडर पर रोपे 21 पौधे

- पुराने पौधों की निराई-गुड़ाई के साथ टैंकर से सिंचाई भी की
- चांदनी, जंगली जलेबी, पाम व सिल्वर ओक के पौधे लगाए

गोहाना। पौधरोपण करते हुए संगठन के सदस्य। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

समाज कल्याण संगठन ने रविवार को अपने साप्ताहिक अभियान में विभिन्न किस्मों के 21 पौधे रोपे। पौधारोपण फव्वारा चौक से लेकर सोनीपत मार्ग पुल तक डिवाइडर के बीच में खाली जगह में किया गया। संगठन के सदस्यों ने नए पौधे रोपने के साथ इस अभियान के तहत पहले से रोपित पुराने पौधों की देखभाल भी की। पुराने पौधों की निराई-गुड़ाई के साथ टैंकर से सिंचाई भी की गई। अभियान में संगठन के सदस्यों ने चांदनी, जंगली जलेबी, पाम व सिल्वर ओक के पौधे रोपे। पौधारोपण की अध्यक्षता संगठन के अध्यक्ष आनंद जांगड़ा ने की। पौधारोपण में संगठन के सदस्य मुकेश कुमार, पवन, सुनील, सतपाल, रामपाल, गोविन्द, प्रवीन, देवेन्द्र, जगदीश व मनोज ने अपनी सेवाएं दी।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन : 0130-2989288, 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन 0130-4012310, 9253681028

राजकीय महिला महाविद्यालय में शिविर का आयोजन

एनएसएस समाजसेवा का सशक्त माध्यम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

राजकीय महिला महाविद्यालय, गोहाना में 7 दिवसीय एनएसएस शिविर का शुभारंभ हो गया। शिविर का शुभारंभ भगत फूल सिंह महिला विवि, खानपुर कलां से सेवानिवृत्त एसोसिएट प्रो. डॉ. सुनीता त्यागी ने दीप प्रज्ज्वलित करके किया।

प्रतियोगिता करवाई

शिविर के शुभारंभ सत्र की संयुक्त अध्यक्षता एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी सीमा देवी और प्रवीन ने की। मुख्य वक्ता डॉ. सुनीता त्यागी ने महिलाओं को शिक्षित बनाने पर बल दिया। वे बोली कि अगर हम एक लड़की को शिक्षित बनाएंगे तो उसका मायका व ससुराल दो परिवार शिक्षित बनेंगे। ऐसे में यदि सभी लड़कियां शिक्षित होंगी तो पूरा समाज शिक्षित होगा। डॉ. सुनीता ने कहा कि एनएसएस समाजसेवा का एक सशक्त माध्यम है। छात्राएं एनएसएस से जुड़कर समाज के सशक्तिकरण में अपनी अहम भूमिका निभा सकती हैं। एनएसएस से युवाओं में समाजसेवा की भावना विकसित होती है। डॉ. सुनीता त्यागी स्वयं भी समतामूलक महिला संगठन की प्रदेश संयोजक हैं। शिविर के पहले दिन स्वयंसेविकाओं के लिए पोस्टर मेकिंग और स्लोगन लेखन प्रतियोगिताएं भी करवाई गई।

- एक लड़की को शिक्षित बनाने से दो परिवार शिक्षित होंगे: प्रो. डॉ. सुनीता त्यागी
- एनएसएस से युवाओं में समाजसेवा की भावना होती है विकसित

गोहाना। दीप प्रज्ज्वलित करके शिविर का शुभारंभ करते हुए डॉ. सुनीता त्यागी। फोटो : हरिभूमि

खरखौदा। दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रशिक्षण लेने पहुंचे विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

राजकीय महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने डीयू में लिया व्यावहारिक प्रशिक्षण

खरखौदा। शहीद दलबीर सिंह राजकीय महाविद्यालय पीपली के आउट रीच के अंतर्गत प्राचार्या डॉ तराना नेगी के मार्गदर्शन में प्रभारी किरन सरोहा द्वारा महाविद्यालय के विद्यार्थियों को दिल्ली विश्वविद्यालय के प्राणी विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित व्यवहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया। यह कार्यक्रम नई शिक्षा नीति के तहत विभिन्न संकायों में विद्यार्थियों का ज्ञानवर्धन हेतु किया गया। विभिन्न पहलुओं से विद्यार्थियों का उनकी रुचि अनुसार कार्यक्रमों में ले जाकर उन्हें भविष्य में रोजगार के लिए तैयार किया जाता है। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ राम किशन नेगी, प्रोफेसर, दिल्ली विश्वविद्यालय रहे। प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य आणविक जीव विज्ञान, माइक्रोबायोम विश्लेषण, मत्स्य विज्ञान में छात्रों के व्यावहारिक ज्ञान और शोध कौशल को बढ़ाना है। प्रतिभागी शोध प्रयोगशाला द्वारा आयोजित व्यावहारिक गतिविधियों, प्रदर्शनों और इंटरेक्टिव सत्र कार्यक्रम वैज्ञानिक जिज्ञासा को बढ़ावा देने और छात्रों को भविष्य के शैक्षणिक और शोध कार्यों के लिए तैयार करने में सहायक रहा। इस तरह के कार्यक्रमों से विद्यार्थियों को काफी कुछ सीखने को मिलता है। कार्यक्रम में सहयोगी के रूप मे सुधीर शामिल रहे।